College of Home Science
Maharana Pratap University of Agriculture and Technology, Udaipur

Dr.(Mrs) Shashi Jain
Professor & Dean

No. H.Sc. /2017/
Date: 20/06/2017

प्रेस विज्ञप्ति

''वर्तमान परिवेश में बाजार की जरुरतें एवं उद्योग–धन्धों में रोजगार क्षमताओं के आंकलन हेतु'' गृह विज्ञान महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में हितकारकों (Stakeholders) की एक दिवसीय कार्यशाला 20 जून, 2017 को सम्पन्न हुई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य इस महाविद्यालय के पाठ्यक्रमों को अधिक से अधिक रोजगारोन्मुखी बनाना है। इसके तहत प्रथम सत्र में सभी विषयों के विभागाध्यक्षो ने उनके विभागों के पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी एवं दूसरे सत्र में सभी हितकारों से उन पाठ्यक्रमों को रोजगार परख बनाने में अपने–अपने सुझाव दिये। कार्यशाला में 30 रोजगार संस्थाओं जैसेः होस्पीटल, होटल, जिम, बूटिक, टेक्सटाइल उद्योग, मीडीया एजेन्सीज, स्वयंसेवी संस्थान, होटल, इवेन्ट कम्पनियों विद्यालयों, आई. टी. कम्पनियों इत्यादि के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. उमा शंकर शर्मा, कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कार्यशाला का उद्घाटन कर अपने भाषण मे नये कार्यक्रमों की महत्ता पर जोर दिया साथ विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने पाठयक्रमों को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिये दिशा निर्देश प्रदान किये। सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे हमारे स्नातक एंव स्नातकोत्तर छात्रों को अपने उद्योगां एवं संस्थानों में उनकी योग्यतानुसार उचित रोजगार उपयुक्त वेतन दे नियुक्त करें।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता प्रो. शशि जैन ने कार्यशाला में पधारे सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें महाविद्यालय में वर्ष 2017–18 सें स्नातक स्तर पर प्रस्तावित दो नयी डिग्रियों के बारे में जानकारी दी। विज्ञान स्नातक ऑनर्सः समुदाय विज्ञान एवं विज्ञान स्नातक ऑनर्सः खाद्य पोशण एंव आहार विज्ञान यह दोनों ही चार वर्षीय पाठ्यक्रम हैं। स्नातक स्तर पर संचालित यह दोनों ही पाठ्यक्रम व्यावसायिक है। इसमें चतुर्थ वर्ष में छात्राओं को रोजगार एवं उद्यमिता सम्बन्धित ज्ञान का अनुभव देने के लिये Student READY Programme के अर्न्तगत छात्राओं को दो मोड्यूल– "उत्पाद विकास एवं उद्यमिता" या "समुदाय पोषण एवं कल्याण" मे से एक का अध्ययन करना होगा एवं विषय सम्बन्धित व्यवसायिक ईकाई में अनुभवात्मक प्रशिक्षण दिया जाएगा। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में प्रवेश प्रक्रिया अभी जारी है।

प्रो. सुमन सिंह विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण अधिकारी ने गृह विज्ञान शिक्षा को रोजगारोनमुखी एवं कौशल विकास के लिए नए सिरे से निर्धारित करने को आज की आवश्यकता बताया।

रोजगार इकाई की प्रभारी प्रो. ऋतु सिंघवी ने राजस्थान राज्य रोजगार पोलिसी के बारे मे विस्तार से बताया साथ ही कार्याशाला के उद्देश्य से सभी को अवगत कराया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री अमित माथुर, अचिवर्स कम्पनी के संस्थापक ने छात्रों मे ज्ञान के साथ–साथ कई दूसरे कौशल (जैसेः वाद–संवाद, मानवीय–संबंध, काम में लगन, स्वंय में विश्वास) इत्यादि कौशल का छात्रों मे होना अत्यन्त आवशयक है इन गुणवत्ताओं के साथ–छात्रों को रोजगार पाने में सफलता मिलेगी ।

महाविद्यालय के विभिन्न विभागाध्ययों ने अपने–अपने विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पढाये जाने वाले विषयों, प्रमुख अनुसंधान के क्षत्रों आदि पर संक्षेप मे प्रकाश डाला। कार्याशाला मे उपस्थित हितकारको ने भी अपने व्यावसाय अनुरूप छात्रो से उनकी कौशलजन्य अपेक्षाओं को किसी न किसी रूप में पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव दिया।

कार्यशाला की सह समन्वयक प्रो. मीनू श्री वास्तव ने सभी अतिथिगणों का धन्यवाद प्रस्तावित कर आभार व्यक्त किया।

(अधिष्ठाता)

Stakeholders Workshop on
"MARKET NEED & EMPLOYABILITY POTENTIAL"
20th June, 2017
ORGANISER
PLACEMENT CELL
College of Home Science
Maharana Pratap University of Agriculture & Technology
Udaipur (Raj.)
Prof U S Sharma
Prof Ritu Singhvi